पुरालेखपाल की 11 व सहायक पुरालेखपाल के लिए 8 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

आरपीएससी : शोध अध्येता, शोध अधिकारी की परीक्षा आज

कासं/अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से कला साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के 8 पदों के लिए 5 अगस्त तक अजमेर जिला मुख्यालय पर आयोजित परीक्षाएं शनिवार से प्रारम्भ हुई। पहले दिन शनिवार को सुबह 10 से 12.30 बजे जक पुरालेखपाल के 3 पदों के लिए 7 केन्द्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 1706 थे। इनमें से मात्र 191 अभ्यर्थी (11.20 प्रतिशत) ही परीक्षा देने पहुंचे।जबकि 1515 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार सहायक पुरालेखपाल के 2 पदों के लिए 8 केन्द्रों पर दोपहर 3 से 5.30 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 1784 थे।इनमें से मात्र 153 अभ्यर्थी (8.58 प्रतिशत) ही परीक्षा देने पहुंचे। जबकि 1631 अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। अभ्यर्थियों को गहनता जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।

एक परीक्षा केन्द्र के बाहर अभ्यार्थियों की तलाशी लेते पुलिसकर्मी।

आज होने वाली परीक्षा - 4 अगस्त रविवार को शोध अध्येता के 1 पद के लिए 4 परीक्षा केन्द्रों पर प्रातः 10 से 12.30 बजे तक एवं शोध अधिकारी के 1 पद के लिए परीक्षा का आयोजन दोपहर 3 से 5.30 बजे तक 6 केन्द्रों पर किया जाएगा।

तीन विषयों के 287 अभ्यर्थियों को संभाग आवंटित, काउंसलिंग 5 को

आरपीएससी की ओर से संस्कृत, अंग्रेजी एवं उर्दू विषय की परीक्षा आयोजित की गई थी

▸▸ एसबीटी न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर की ओर से आयोजित वरिष्ठ अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा 2022 के अंतर्गत तीन विषयों के 287 अभ्यर्थियों को संभाग आवंटन कर दिया गया है। इन अभ्यर्थियों की काउंसलिंग पांच अगस्त को की जाएगी। इस दिन नियुक्ति पत्र भी दिया जाएगा। संभाग आवंटन में उन अभ्यर्थियों को भी शामिल किया गया है, जो प्रतीक्षा सूची में शामिल थे। आरपीएससी की ओर से संस्कृत, अंग्रेजी एवं उर्दू विषय की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में चयनित रहे अभ्यर्थियों की पूर्व में काउंसलिंग कर नियुक्ति दी गई थी।

स दौरान जिन अभ्यर्थियों ने निर्धारित तिथि तक कार्य ग्रहण नहीं किया था। उन्हें तथा उस समय प्रतीक्षा सूची में शामिल रहे अभ्यर्थियों को संभाग आवंटन एवं नियुक्ति दी जाएगी। इसमें आरक्षित एवं अनारक्षित दोनों ही वर्ग के अभ्यर्थी शामिल हैं।

कार्यग्रहण की अंतिम तिथि नियुक्ति आदेश जारी होने के तीन सप्ताह पश्चात की रखी जाएगी। सीधी भर्ती की मुख्य सूची से चयनित एवं नियुक्ति के लिए अभिस्तावित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग पहले कराई जाएगी। इसके बाद आरक्षित सूची जारी की जाएगी।

सीएम भजनलाल राज्य मंत्रिमंडल में हुए कई फैसले

ऊर्जा क्षेत्र में चार संयुक्त उपक्रमों की स्थापना 1.34 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा

दिल्ली, कोच्चि की तर्ज पर जयपुर मेट्रो में ज्वाइंट वेंचर

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राज्य मंत्रिमण्डल प्रदेश में मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास एवं संचालन के लिए संयुक्त उपक्रम, अक्षय एवं ताप विद्युत परियोजनाओं तथा विद्युत प्रसारण परियोजनाओं के लिए संयुक्त उपक्रम, इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, संस्कृत शिक्षा विभाग में पदनाम परिवर्तन एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में सुपर स्पेशियलिटी शिक्षकों की कमी दूर करने से जुड़े मामलों को मंजूरी प्रदान की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सीएमओ में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए संयुक्त उद्यम

डिप्टी सीएम बैरवा ने बताया कि मेट्रो रेल नीति 2017 के अनुसार केन्द्र और राज्य के बीच संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। यह संयुक्त उद्यम राजस्थान में वर्तमान में चल रही एवं भविष्य की मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास, परिचालन एवं क्रियान्वयन के लिए होगा। दिल्ली मेट्रो, कोच्चि मेट्रो, बैंगलुरू मेट्रो, उत्तर प्रदेश मेट्रो, नोएडा मेट्रो, मध्य प्रदेश मेट्रो, नागपुर मेट्रो आदि में भी यही मॉडल अपनाया गया है। इस जेवी को भारत सरकार से मेट्रो परियोजना लागत में वित्तीय सहयोग (अंशपूंजी एवं ऋण के रूप में) प्राप्त हो सकेगा। साथ ही राज्य की मेट्रो परियोजनाओं के लिए तकनीकी एवं प्रशासनिक सहयोग प्राप्त हो सकेगा।

अक्षय, तापीय ऊर्जा एवं प्रसारण परियोजनाओं के लिए ज्वाइंट वेंचर

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि बीते 10 मार्च 2024 को राज्य सरकार और विभिन्न केन्द्रीय पीएसयू के बीच हुए एमओयू की अनुपालना में मंत्रिमंडल की बैठक में आज भारत सरकार की विभिन्न पीएसयू के साथ ज्वाइंट वेंचर कंपनियों के गठन के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन परियोजनाओं में राज्य सरकार की कंपनियों की हिस्सेदारी 26% और केन्द्रीय पीएसयू कंपनियों की हिस्सेदारी 74% रहेगी। इन जेवी कंपनियों में राज्य सरकार की कंपनियों की शेयर होल्डिंग के लिए वर्तमान परिसंपत्तियों से अंश पूंजी की व्यवस्था की जाएगी।

कोल इंडिया लिमिटेड और आरवीयूएनएल के बीच संयुक्त उपक्रम

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड और आरवीयूएनएल के बीच दो अलग-अलग जेवी की स्थापना की जाएगी। इसमें एक तापीय परियोजना एवं दूसरी अक्षय ऊर्जा परियोजना होगी। इन जेवी से बिजली की बेस लोड और पीक लोड डिमांड पूरी होगी। पहली परियोजना के अंतर्गत कालीसिंध तापीय परियोजना झालावाड़ परिसर में 800 मेगावाट की इकाई या किसी अन्य पीटहैड ग्रीनफील्ड कोयला परियोजना की स्थापना की जाएगी। दूसरी जेवी के तहत दो हजार से ढाई हजार मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना, पंप स्टोरेज परियोजना और पवन ऊर्जा परियोजना की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से 17 हजार 200 से 24 हजार 400 करोड़ का प्रदेश में निवेश होगा।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी एवं आरवीयूएनएल के मध्य संयुक्त उपक्रम

राठौड़ ने बताया कि अक्षय ऊर्जा परियोजना की स्थापना के लिए एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी एवं आरवीयूएनएल के मध्य ज्वाइंट वेंचर बनाई जाएगी। यह उपक्रम 25 हजार मेगावाट की सोलर/विंड/हाइब्रिड एनर्जी सहित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना करेगा। इसके माध्यम से प्रदेश में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा।

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन एवं आरवीपीएन के मध्य ज्वाइंट वेंचर कंपनी

कर्नल राठौड़ ने बताया कि विद्युत प्रसारण परियोजनाओं की स्थापना के लिए पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं आरवीपीएन के मध्य ज्वाइंट वेंचर कंपनी की स्थापना की जाएगी। यह जेवी आधार पर ट्रांसमिशन सिस्टम का संचालन करेगी और अपने द्वारा बनाई गई संपूर्ण ट्रांसमिशन क्षमता राजस्थान डिस्कॉम को उपलब्ध करवाएगी। इस जेवी के माध्यम से प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश होगा।

ये भी हुए फैसले...

- इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट बनाया जाएगा
- राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड इनविट का गठन करेगा, जो सेबी में पंजीकृत होगा
- आरजीएचएस में क्लेम सेटलमेंट में आएगी स्पष्टता
- केन्द्र सरकार/सीजीएचएस के प्रावधानों से क्लेम का भुगतान किया जाएगा
- चिकित्सा शिक्षा में सुपर स्पेशियलिटी शिक्षकों की कमी होगी दूर
- राजस्थान चिकित्सा सेवा (कॉलेज शिक्षा) नियम 1962 के नियम में संशोधन
- इस निर्णय से चिकित्सा शिक्षकों की कमी दूर होगी
- सुपर स्पेशियलिटी में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा
- संस्कृत शिक्षा में 2,827 भर्तियों का रास्ता साफ
- शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों का पदनाम परिवर्तन
- शिक्षा विभाग की तर्ज पर पदनाम वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्यापक व शारीरिक शिक्षा अध्यापक किया
- संस्कृत शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षा अध्यापक के 179 एवं लाइब्रेरियन ग्रेड 3 के 48 पदों पर भर्ती का मार्ग प्रशस्त होगा
- लगभग 2600 पदों पर भर्ती का मार्ग प्रशस्त होगा
- आरएसआर 1951 में अस्थाई आधार पर वेतन एवं पदोन्नति निर्धारण के लिए संशोधन
- अब सेवा नियम में नियम 26डी जोड़कर आवश्यक अस्थाई आधार पर नियुक्ति एवं पदोन्नति पर वेतन निर्धारण किए जाने का प्रावधान

प्रदेश के 87 हजार से ज्यादा गुरुजनों की होगी परीक्षा

महात्मा गांधी स्कूलों में मिलेगी पोस्टिंग

» एसबीटी न्यूज

श्रीगंगानगर. प्रदेशभर के 3 हजार 700 से ज्यादा राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पदस्थापन के लिए प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पदस्थापित शिक्षकों की चयन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए राज्यभर से 87785 शिक्षकों ने शाला दर्पण के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में निर्देश जारी कर राज्य स्तर पर परीक्षा के आयोजन के लिए पंजीयक, शिक्षा विभागीय परीक्षाएं, बीकानेर को तथा जिला स्तर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जबकि संबंधित जिले के डाइट प्राचार्य को सह जिला नोडल अधिकारी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार

पर ही इन इच्छुक शिक्षकों, वरिष्ठ अध्यापकों, व्याख्याताओं व प्रधानाचार्य आदि को अपने मूल जिले के नियंत्रण महात्मा गांधी स्कूलों में पदस्थापन का मौका मिल सकेगा।

सरकारी स्कूलों में रहेंगे परीक्षा केंद्र

शिक्षा विभाग के अनुसार इस परीक्षा के लिए निर्धारित किए जाने वाले केंद्र केवल सरकारी स्कूलों में ही रहेंगे। जिला मुख्यालय पर परीक्षा केन्द्रों की समुचित व्यवस्था नहीं होने की स्थिति में निकटतम ब्लॉक मुख्यालय पर भी परीक्षा केंद्र बनाए जा सकेंगे।

बाड़मेर से सर्वाधिक आवेदन

यह परीक्षा प्रदेशभर में पूर्ववर्ती 33 जिलों के आधार पर ही आयोजित की जाएगी। इसके लिए राज्य में सर्वाधिक आवेदन 9564 बाड़मेर जिले से हुए हैं जबकि दूसरे स्थान पर 6490 आवेदन जोधपुर तथा तीसरे स्थान पर 4927 शिक्षकों ने भीलवाड़ा जिले से आवेदन किया है।

आवेदनों का गणित

जिला	प्रधानाचार्य	शिक्षक व अन्य	कुल
गंगानगर	45	1679	1724
हनुमानगढ़	18	787	805
बीकानेर	92	3625	3717
राज्य	1198	86587	87785

इनका कहना है

एमजीजीएस स्कूलों में पदस्थापन के लिए चयन परीक्षा-2024 के लिए अभी विभाग ने परीक्षा तिथि घोषित नहीं की है। हर जिले में 2 केंद्र बनाए गए हैं। इस साल आवेदन संख्या के हिसाब से जिला मुख्यालय के 6-7 सरकारी स्कूलों में परीक्षा आयोजन प्रस्तावित है।

—भूपेश शर्मा, परीक्षा निर्देशक, शिक्षा विभाग, श्रीगंगानगर

महिला पर्यवेक्षक सीधी भर्ती-2024

आपत्ति ऑनलाइन बोर्ड की वेबसाइट पर होगी दर्ज

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर।

परीक्षा के प्रश्न और उत्तर हुई जारी

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से गत 13 जुलाई को आयोजित पर्यवेक्षक (महिला) सीधी भर्ती-2024 परीक्षा का मास्टर प्रश्न पत्र तथा इसकी प्रारम्भिक उत्तर कुंजी बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। इस पर यदि किसी परीक्षार्थी को प्रश्न पत्र में सम्मिलित किसी प्रश्न अथवा उत्तर के सबंध में कोई आपत्ति है तो निर्धारित शुल्क के साथ आगामी 6 अगस्त मध्य रात्रि से 8 अगस्त रात्रि 23:59 बजे तक अपनी ऑनलाइन आपत्ति बोर्ड की वेबसाइट पर दर्ज करवा सकता है।

यह देना होगा शुल्क: बोर्ड ने प्रत्येक आपत्ति का शुल्क 100 रुपए निर्धारित किया है। इसके लिए परीक्षार्थी बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन आपत्ति के लिंक पर जाकर अपनी एसएसओ आईडी से देय शुल्क ई-मित्र पेमेन्ट गेटवे या ई-मित्र कियोस्क से जमा करवाएं। जितने प्रश्नों पर आपत्तियां करनी है, उसके अनुसार प्रति प्रश्न देय शुल्क का भुगतान करें। भुगतान के लिए सर्विस चार्जेज ई-मित्र अलग से वसूल करेगा। आपत्तियों के लिए पोर्टल पर मानक, प्रमाणिक पुस्तकों के प्रमाण ही ऑनलाइन संलग्न करे। ऐसे प्रमाण के प्रत्येक पृष्ठ पर अपना रोल नम्बर और संबंधित प्रश्न की क्रम संख्या लिखें। संदर्भ में पुस्तक, लेखक व प्रकाशक के नाम, संस्करण वर्ष और पृष्ठ संख्या भी लिखा जाना आवश्यक है।

24,797 पदों पर सफाई कर्मचारी भर्ती हो सकती है रद्द

वाल्मीकि समाज के आंदोलन के बाद सरकार नए सिरे से भर्ती करने की तैयारी में

पढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में 24,797 पदों पर सफाई कर्मचारी भर्ती रद्द कर अब नए सिरे से निकाली जा सकती है। स्वायत्त शासन विभाग अब इसे नए सिरे से भर्ती निकालेगा। इससे राजस्थान में पिछले 12 दिनों से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म हो सकती है। वाल्मीकि समाज की मांग के बाद सरकार ने मौजूदा भर्ती प्रक्रिया में बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, राजस्थान सरकार द्वारा 1 मार्च को प्रदेश में 24 हजार 797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकाली गई थी। इसमें प्रदेश भर में 9 लाख 20 हजार से ज्यादा आवेदन आए थे। इन आवेदनों में बड़ी संख्या में गैर वाल्मीकि समाज के युवा भी शामिल थे। इसके बाद वाल्मीकि समाज ने सफाई कर्मचारी भर्ती में प्राथमिकता की मांग को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया था।

कालीचरण सराफ को दी गई थी हड़ताल खत्म करने की जिम्मेदारी

सरकार द्वारा जब भर्ती नियम में संशोधन नहीं किया गया। वाल्मीकि समाज ने 23 जुलाई से कार्य बहिष्कार कर हड़ताल शुरू कर दी। इसके बाद पूरे प्रदेश की सफाई व्यवस्था दिनों दिन बिगड़ती जा रही थी। जिसे दुरुस्त करने के लिए सरकार द्वारा इस पूरी हड़ताल को खत्म करने की जिम्मेदारी जयपुर के मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ को दी गई।

जिन्होंने स्वायत्त शासन विभाग के अधिकारियों, हड़ताल पर गए सफाई कर्मचारियों से बातचीत कर इस पूरे मामले का ब्यौरा यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को दिया। जिन्होंने मौजूदा भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर नए सिरे से भर्ती करने का फैसला किया है। हालांकि अब तक सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल को खत्म नहीं किया है।

संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया- वाल्मीकि समाज अपनी जायज मांग को लेकर गांधीवादी तरीके से आंदोलन कर रहा है। जब तक सरकार हमारी सभी मांगों को पूरा नहीं करती तब तक हड़ताल खत्म नहीं करेंगे।

नीट पीजी परीक्षा : दूसरे राज्यों में आवंटित कर दिए परीक्षा सेंटर, पुनः आवंटन की मांग

परीक्षा केंद्र को लेकर टेंशन, 500 से 1000 किमी लंबी दूरी तय करने की मजबूरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. आगामी 11 अगस्त को आयोजित की जाने वाली नीट पीजी परीक्षा -2024 के लिए परीक्षा केंद्रों की दूरियों ने राजस्थान के हजारों मेडिकल छात्रों के लिए एक नई समस्या खड़ी कर दी है।

विभिन्न दूर-दराज राज्यों में परीक्षा केंद्र होने के कारण विद्यार्थियों को 500 से 1000 किलोमीटर की लंबी यात्रा कर परीक्षा देने पहुंचना पड़ेगा। इससे छात्रों को मानसिक और शारीरिक, दोनों परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस संबंध में राजस्थान के मेडिकल छात्रों ने परीक्षा एजेंसी से परीक्षा केन्द्र पुनः आवंटित करने की मांग की है।

पीड़ित छात्रों का कहना है कि उन्हें परीक्षा के लिए जो केंद्र आवंटित किए गए हैं, वे न केवल बहुत दूर हैं, बल्कि वहां पहुंचने के लिए कई घंटों का समय और अतिरिक्त खर्च भी लग रहा है। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए परेशानी अधिक है, जिनके परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर है और जो लंबी यात्रा करने की क्षमता नहीं रखते हैं।

ऐसे परेशान हो रहे राजस्थान के छात्र

जयपुर निवासी आशका जैन का सेंटर दिल्ली आया है। मौसम विभाग ने भी राजस्थान सहित कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी कर रखा है। ऐसे में परीक्षा केन्द्र तक पहुंचा आसान नहीं होगा।

गंगानगर निवासी गुंजन अग्रवाल का सेंटर ग्वालियर आवंटित किया है। गुंजन को 800 किलोमीटर की दूरी तय कर परीक्षा केन्द्र पहुंचना होगा।

अलवर निवासी उदयसिंह का सेंटर जबलपुर दिया गया है। ऐसे में उन्हें करीब 20 घंटे की यात्रा कर परीक्षा देने जाना होगा।

चॉइस के अनुसार नहीं दिए सेंटर

पीड़ित विद्यार्थियों का कहना है कि आवेदन करते समय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा केन्द्र की चॉइस मांगी गई थी। चार विकल्प भी भरे थे लेकिन अधिकतर विद्यार्थियों को पहला, दूसरा और तीसरा विकल्प छोड़कर चौथा विकल्प दिया गया है। पीड़ित छात्रों का कहना है कि अभी सिर्फ जिन राज्यों या शहरों में परीक्षा केन्द्र आवंटित किए गए हैं, उनकी ही सूचना दी है। परीक्षा केन्द्र कहां होगा, यह आठ अगस्त तक बताया जाएगा।

कैबिनेट बैठक शिक्षा, बिजली, मेट्रो को लेकर अहम फैसला

संस्कृत शिक्षा में 2827 पदों पर भर्ती, बिजली के लिए केंद्र से जॉइंट वेंचर होगा

जयपुर | सीएम भजनलाल की अध्यक्षता में शनिवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इसमें मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास व संचालन के लिए संयुक्त उपक्रम, अक्षय व ताप विद्युत परियोजनाओं तथा विद्युत प्रसारण परियोजनाओं के लिए संयुक्त उपक्रम, इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, संस्कृत शिक्षा विभाग में पदनाम परिवर्तन व चिकित्सा शिक्षा विभाग में सुपर स्पेशियलिटी शिक्षकों की कमी दूर करने सहित अहम निर्णय किए गए। डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, उद्योग राज्यवर्धन सिंह राठौड़ व संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि संस्कृत शिक्षा में 2827 पदों पर भर्ती होगी।

कैबिनेट ने संस्कृत शिक्षा विभाग के कई पदनाम, पाठ्यक्रम व पदों की योग्यता शिक्षा विभाग की तर्ज पर किया है। ताकि इन पदों की भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा विभाग की भर्तियों के साथ हो सकेगी। संस्कृत शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षा अनुदेशक ग्रेड 2 व शारीरिक शिक्षा अनुदेशक ग्रेड 3 का पदनाम अब शिक्षा विभाग की तर्ज पर वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्यापक व शारीरिक शिक्षा अध्यापक होगा। शारीरिक शिक्षा अध्यापक व लाइब्रेरियन ग्रेड 3 की योग्यता शिक्षा विभाग के अनुरूप की जाएगी। इससे संस्कृत शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षा अध्यापक के 179 व लाइब्रेरियन ग्रेड 3 के 48 पदों पर भर्ती रास्ता खुला है। अध्यापक लेवल 1 व 2 एवं अध्यापक (सामान्य) लेवल 1 व 2 के पदों की योग्यता प्रारंभिक शिक्षा विभाग के अनुरूप होगी। पंचायतीराज व शिक्षा विभाग के अनुरूप प्रतियोगी परीक्षा के लिए समान पाठ्यक्रम लागू किया है। इससे 2600 पदों पर भर्ती हो सकेगी।

ऊर्जा : 4 संयुक्त उपक्रम, 1 लाख 34 हजार रुपए करोड़ का निवेश

प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र को बेहतर करने के लिए सरकार पीएसयू के साथ जॉइंट वेंचर कर चार संयुक्त उपक्रम बनाएगी। इससे एक लाख 34 हजार करोड़ का निवेश होगा। बिजली प्रबंधन के साथ ही उत्पादन, प्रसारण व सप्लाई की स्थिति में भी सुधार होगा। उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा, बिजली रेट कम करने और बेहतर सप्लाई सिस्टम के लिए यह फैसला लिया है।

- अक्षय, तापीय व प्रसारण प्रोजेक्ट के लिए जॉइंट वेंचर में राज्य की कंपनियों की हिस्सेदारी 26%, केन्द्रीय पीएसयू कंपनियों की हिस्सेदारी 74% रहेगी।
- राजस्थान सेवा नियम 1951 में अस्थायी कर्मचारियों को भी अब प्रमोशन व वेतन निर्धारण का लाभ दिया जाएगा। प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों में सुपर स्पेशियलिटी एवं सब स्पेशियलिटी के आचार्य, सह आचार्य के पद खाली हैं। अब इन्हें विशेष भर्ती से भरा जाएगा।

मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए जेवी : मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास, परिचालन व क्रियान्वयन के लिए जेवी होगा। इस जेवी को भारत सरकार से मेट्रो परियोजना लागत में वित्तीय (अंशपूंजी व लोन), तकनीकी व प्रशासनिक सहयोग मिलेगा। शेष | पेज 6

कनिष्ठ लेखाकार व तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023

40 फीसदी से कम अंक वालों को नियुक्ति नहीं दें: हाईकोर्ट

लीगल रिपोर्टर | जयपुर

कनिष्ठ लेखाकार व तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने आरक्षण की छूट का लाभ लेने वाले अभ्यर्थियों को छोड़कर उन अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है, जिनके 40 फीसदी से कम अंक हैं। इसके अलावा उन अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर भी रोक लगा दी है, जिनकी उम्र 1 जनवरी, 2024 को 21 साल से कम थी।

अदालत ने प्रमुख वित्त सचिव, कर्मचारी चयन बोर्ड, राजकोष निदेशक व रेवेन्यू बोर्ड के रजिस्ट्रार से जवाब भी मांगा। जस्टिस अनूप ढंड ने यह निर्देश संदीप व अन्य की याचिका पर दिया। अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 20 जून, 2023 को कनिष्ठ लेखाकार व तहसील राजस्व लेखाकार की भर्ती निकाली थी।

इसमें न्यूनतम उम्र 21 साल रखी गई। वहीं आरक्षित वर्ग के अलावा अन्य अभ्यर्थी के भर्ती की लिखित परीक्षा में कम से कम चालीस फीसदी अंक होने की भी शर्त थी, लेकिन भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देते हुए याचिका में कहा कि विज्ञापन की इन शर्तों का उल्लंघन हुआ है, क्योंकि बोर्ड ने उन अभ्यर्थियों का भी चयन कर लिया है जिनके 40 फीसदी अंक नहीं थे। वहीं कई ऐसे अभ्यर्थियों को भी चयनित किया है जिनकी उम्र 21 साल नहीं है। भर्ती में ऐसा होने के चलते योग्य अभ्यर्थी चयन से वंचित रह रहे हैं। इसलिए अयोग्य अभ्यर्थियों की नियुक्त पर रोक लगाई जाए।

संडे बिग स्टोरी जिले में 2250 स्कूल खस्ताहाल, 737 गिराऊ हालत में

जर्जर स्कूलों के लिए एक साल में 5 बार पैसे मांगे, सिर्फ एडवाइजरी मिली

पिछले साल 80 करोड़ मांगे थे, मिले महज 3.5 करोड़

हेमंत पंड्या | उदयपुर

मानसून का दौर चल रहा है। इस बीच जर्जर भवनों वाले सरकारी स्कूलों में कहीं प्लास्तर गिरने तो कहीं छत टपकने जैसी समस्याएं आए दिन आ रही हैं। दूसरी ओर, हर बार की तरह शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों को लेकर एडवाइजरी जारी करने के अलावा कुछ नहीं कर रहा। पिछले एक साल में ऐसे स्कूलों की मरम्मत के लिए पांच बार प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं, लेकिन पूरा बजट कभी जारी नहीं हुआ। अब फिर से विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें वही निर्देश हैं जो हर साल दिए जाते हैं।

जिले के 3992 में 2250 स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं। इनमें से 737 तो ऐसे हैं कि वे किस समय गिर जाएं, कोई पता नहीं। इनमें 70 प्रतिशत स्कूल प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के हैं। एडवाइजरी में स्कूल में अवकाश के बाद बच्चों को सुरक्षित घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी शिक्षकों पर डाली गई है। संस्था प्रधानों से कहा है कि वे शिक्षकों को इसके लिए पाबंद करें। इसके बाद मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र जैन ने भी आदेश जारी कर दिए।

जिले में करीब 500 से अधिक विद्यालयों की मरम्मत के प्रस्ताव राजस्थान राज्य शिक्षा परिषद को भेजे गए हैं, लेकिन बजट नहीं मिल रहा। एडीपीसी वीरेंद्र सिंह यादव का कहना है कि अपने स्तर पर ही प्रयास कर 100 से अधिक स्कूलों में मरम्मत, कक्षा कक्ष और हॉल आदि का निर्माण कराया है। बता दें कि पिछले साल 500 स्कूलों की सूची भेजी गई थी और 80 करोड़ रुपए मांगे थे। विभाग ने 135 स्कूलों के लिए महज 3.5 करोड़ रुपए दिए।

केस 1 : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जावर माइंस प्रतापपुरा का जर्जर है। इस स्कूल में केवल 22 बच्चे हैं और 6 का स्टाफ है। यहां न तो स्कूल को बंद किया है, न ही अन्य तरह की कोई व्यवस्था की गई है।

केस 2 : महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय, सुरफलाया के एक कमरे में शुक्रवार शाम प्लास्टर गिर गया। संयोग से स्कूल बंद था। इससे अनहोनी नहीं हुई। जानकारी में आया है कि यहां पहले भी प्लास्तर गिर चुका है।

ये ताजा उदाहरण

- नगाजी का गुड़ा उच्च प्राथमिक स्कूल सायरा ब्लॉक के इस स्कूल का भवन जर्जर है। छत की पट्टियों के बीच और दीवारों में दरारें है। मामूली बारिश पर भी छत टपकती है। अभी 3 दिन की दीवारों में सीलन है। प्रधानाध्यापक कंचन वैष्णव का कहना है कि न विभाग ध्यान दे रहा, न ही ग्राम पंचायत।
- राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल, राणपुर ओगणा क्षेत्र के इस स्कूल में छत का प्लास्टर जगह-जगह से टूट रहा है। छत टपकती भी है। चार कमरों में 192 बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करते हैं। कई बार ज्यादा बारिश होने पर छुट्टी करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने शनिवार सुबह स्कूल में विरोध-प्रदर्शन किया।

अब एडवाइजरी में बोले-कमरे जांचें, तभी दें बच्चों को प्रवेश

- शिक्षा विभाग की ओर से अब जारी की गई एडवाइजरी में कहा गया है कि मानसून सीजन में रोज प्रभारी शिक्षक स्कूल व कक्षा कक्ष की जांच करें। इसके बाद ही बच्चों को प्रवेश दिया जाए।
- स्कूल की छुट्टी के बाद दोबारा जांच करें और इसके बाद ही ताला लगाया जाए।
- यह तय करें कि जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों में बच्चे नहीं बैठें, न ही वे इनके पास जाएं।
- क्लास टीचरों को पाबंद करें कि छुट्टी के बाद बच्चों को सुरक्षित घर तक पहुंचाएं।
- बारिश के दौरान स्कूल की छुट्टी होने पर अभिभावकों को सूचित करें। बारिश रुकने के बाद ही बच्चों की छुट्टी करें।
- स्कूल और बच्चों के घर के बीच सड़क खराब हो तो शिक्षक खुद उन्हें घर तक पहुंचाएं।

नीट-यूजी : ओएमआर-शीट्स व स्कोर कार्ड डिजिलॉकर व उमंग एप पर जारी

जोधपुर | जोधपुर। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी-2024 में सम्मिलित 23.33 लाख विद्यार्थियों का कंफर्मेशन पेज, ओएमआर-शीट्स तथा स्कोर कार्ड अब डिजिलॉकर व उमंग प्लेटफार्म पर उपलब्ध करवाया गया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी-एनटीए, नई दिल्ली को जारी किए नोटिफिकेशन के अनुसार नीट-यूजी,2024 की ओएमआर-शीट्स को लेकर विद्यार्थियों की ओर से कई परिवेदनाएं प्राप्त हुई थीं। ऐसे में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए, न केवल ओएमआर-शीट्स अपितु कंफर्मेशन पेज तथा स्कोर कार्ड को भी डिजिलॉकर तथा उमंग एप पर उपलब्ध कराया गया है। एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि इस सुविधा से विद्यार्थियों को सभी आवश्यक दस्तावेज आसानी से उपलब्ध होंगे।

me.next | कॅरियर की उड़ान

सोलर एनर्जी में बनाएं कॅरियर, करें ये कोर्स

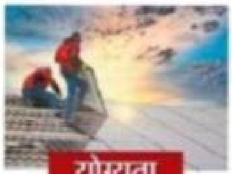

आजकल सोलर एनर्जी की ओर बढ़ते झुकाव के चलते इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। इसके लिए 12वीं के बाद जेईई, वेल्लूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम, बिटसेट एंट्रेंस एग्जाम, कर्नाटक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट आदि प्री-इंजीनियरिंग एग्जाम्स में से किसी एक में सफलता हासिल करनी होती है। इसके बाद बीएससी इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बीई व बीटेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्स कर सकते हैं।

योग्यता

मैथ्स, केमिस्ट्री एवं फिजिक्स के साथ 12वीं में फर्स्ट डिवीजन अनिवार्य है। इसके बाद मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री ले सकते हैं। वैसे इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग करके भी सोलर एनर्जी सेक्टर में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा 12वीं के बाद ग्रेजुएशन करके एनर्जी पॉलिसी, सोलर एनर्जी एंड फोटोवॉल्टिक, रिन्यूएबल एनर्जी और जियोथर्मल एनर्जी में मास्टर्स कोर्स कर सकते हैं।

टॉप यूनिवर्सिटीज

- आइआइटी, खड़गपुर
- आइआइटी, जोधपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, उत्तराखंड
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कालीकट
- आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी, पटना
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी, ठाणे(महाराष्ट्र)
- आइआइटी, दिल्ली
- आइआइटी, मुंबई
- आइआइटी, गुवाहाटी

स्कोप

सोलर पावर इंजीनियर, सोलर पीवी डिजाइनर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, रिसर्च एवं डवलपमेंट इंजीनियर, मॉनिटरिंग एवं फील्ड टेस्टिंग इंजीनियर आदि के तौर पर कॅरियर शुरू कर सकते हैं। जो स्टूडेंट्स सोलर एवं अल्टरनेटिव एनर्जी में बीटेक करते हैं, उनके लिए बायो एनर्जी, फोटोवोल्टेक, विंड पावर एवं हाइड्रोपावर इंडस्ट्री में काम करने की अच्छी संभावनाएं हैं।

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन बोर्ड

बैंक पीओ के 4455 रिक्त पदों पर की जाएंगी भर्तियां

बैंकिंग सेक्टर में करना चाहते हैं जॉब तो आपके लिए यह सुनहरा अवसर है। इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन बोर्ड के द्वारा प्रोबेशनरी ऑफिसर और मैनेजमेंट ट्रेनी के पदों के लिए 4455 भर्तियां निकाली गई हैं। इसके लिए प्री-एग्जाम, मुख्य एग्जाम, इंटरव्यू, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन आदि के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार होगी। इन पदों पर अप्लाई करने वाले जनरल और ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 850 रुपए और एससी/ एसटी/ पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए 175 रुपए फीस निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार 21 अगस्त 2024 तक ऑफिशियल वेबसाइट ibps.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाकर आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

योग्यता

मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। वहीं अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 30 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्गों को अधिकतम आयु में छूट दी गई है।

ऐसे करें आवेदन

ऑफिशियल वेबसाइट ibps.in पर जाकर होम पेज पर दिए सीआरपी पीओ के लिंक पर क्लिक करें। अब रजिस्ट्रेशन करवाकर आवेदन फॉर्म भरें। आवश्यक डाक्यूमेंट्स अपलोड करें और फिर फीस जमा करके फॉर्म सबमिट कर दें।

लाइफ में मोटिवेशन है बहुत जरूरी, आवश्यक टिप्स

लक्ष्य पर फोकस करने और चैलेंजेज से सीखते हुए आगे बढ़ने के लिए लगातार मोटिवेशन आवश्यक है। इसके लिए छोटे-छोटे स्टेप बनाएं और हर स्टेप पर सफलता पाने के बाद छोटा सा सेलिब्रेशन करके अपने आपको मोटिवेट करें। ऐसे ही कुछ टिप्स यहां लाए हैं हम आपके लिए, **आइए जानें...**

- क्लियर और अचीवेबल लक्ष्य बनाएं। इससे आप फोकस रहेंगे और मोटिवेटेड महसूस करेंगे।
- ये ही लक्ष्य क्यों चुना, इसका स्पष्ट कारण ढूंढें। इससे उसे पाने के लिए अंदर से बल मिलेगा।
- एक बोर्ड पर लक्ष्य को केंद्रित करती पिक्चर्स लगाएं। आते-जाते, सोते-जागते इन्हें देखें।
- दिनचर्या ऐसी हो जो आपको लक्ष्य के करीब ले जाए।
- पॉजिटिविटी बहुत जरूरी है। ऐसे लोगों के साथ रहें, जो लक्ष्य को पाने के लिए प्रेरित करें।
- चुनौतियों को बजाय बाधाएं समझने के उनसे सीखें।
- प्रेरणादायक बुक्स अथवा रोल मॉडल से सीखें, कैसे चुनौतियों से पार पाते हुए सफल होते हैं।
- लक्ष्य को पाने के लिए मेंटली और फिजिकली एक्टिव रहना बहुत जरूरी है।

एग्जाम गाइड

1. एकलव्य पुरस्कार निम्न में से किसे दिया जाता है?
(अ) खेल प्रशिक्षक (ब) सीनियर खिलाड़ी
(स) जूनियर खिलाड़ी (द) इनमें से कोई नहीं

2. लक्ष्मण संवत का प्रारम्भ किस वंश द्वारा किया गया था?
(अ) प्रतिहारों द्वारा (ब) पालों द्वारा
(स) चौहानों द्वारा (द) सेनों द्वारा

3. गुप्त वंश के बाद किस वंश ने 'गरुड़' को अपना राज चिह्न बनाया था?
(अ) राष्ट्रकूट (ब) पश्चिमी चालुक्य
(स) शिलाहार (द) चेदि

4. कौशल किस फसल की उन्नत प्रजाति है?
(अ) चना (ब) मूंगफली
(स) कपास (द) गेहूं

5. निम्न में से किसने भारतीय रुपए का प्रतीक चिह्न डिजाइन किया था?
(अ) उदय कुमार (ब) मनीष निगम
(स) अमित शर्मा (द) राकेश वर्मा

उत्तरमाला

21 साल से कम उम्र और चालीस फीसदी से कम अंक वालों को नियुक्ति देने पर रोक

ब्यूरो/नवज्यो| **जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 में उन अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है, जिनकी उम्र एक जनवरी, 2024 को 21 साल से कभी थी। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को छोड़कर उन अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति नहीं देने को कहा है, जिनके भर्ती की लिखित परीक्षा में चालीस फीसदी से कम अंक हैं। अदालत ने मामले में प्रमुख वित्त सचिव, कर्मचारी चयन बोर्ड और राजकोष निदेशक के साथ राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश संदीप व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 20 जून, 2023 को कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार के पदों पर भर्ती निकाली थी, जिसमें अभ्यर्थी की उम्र न्यूनतम 21 साल रखी गई थी। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के अलावा अन्य अभ्यर्थी के भर्ती की लिखित परीक्षा में कम से कम चालीस फीसदी अंक होने चाहिए थे। याचिका में कहा गया कि भर्ती विज्ञापन की इन दोनों शर्तों की अवहेलना हुई है। कर्मचारी चयन बोर्ड ने बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों का चयन कर लिया है, जिनके पास भर्ती की लिखित परीक्षा में चालीस फीसदी अंक नहीं है।

शास्त्री-आचार्य के साथ बीए और एमए में होंगे आवेदन

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की तथि 18 अगस्त तक बढ़ाई गई है। इसमें शास्त्री व आचार्य कक्षाओं के लिए वेद एवं पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, जैन दर्शन और विशिष्टाद्वैत वेदांत में आवेदन करने का विकल्प विद्यार्थियों के पास है। योग विज्ञान विषय में बीए व एमए कक्षाओं के अतिरिक्त योग, ज्योतिष एवं कर्मकांड और पीजीडीसीए जैसे डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भी विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में बीए और एमए पाठ्यक्रम के लिए भी आवेदन चालू हैं। बीए और एमए में संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, शिक्षा, दर्शन शास्त्र के अतिरिक्त संगीत और हिंदू अध्ययन विषय में भी आवेदन किए जा सकेंगे। प्रवक्ता शास्त्री कोसलेंद्रदास ने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिन विद्यार्थियों के पास उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत विषय नहीं है, वे भी विश्वविद्यालय में शास्त्री और बीए पाठ्यक्रम में आवेदन कर सकते हैं।

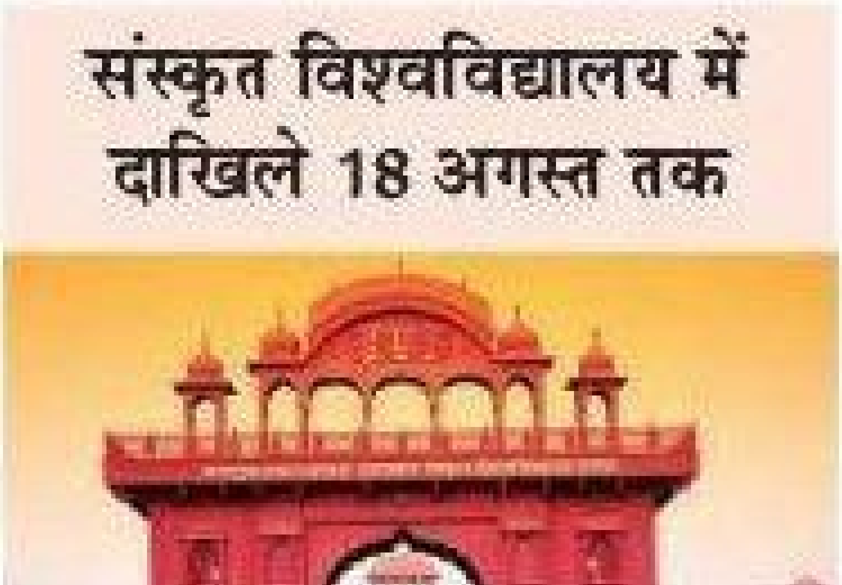

SCHOLARSHIP ALERT

सीताराम जिंदल फाउंडेशन स्कॉलरशिप-2024

सीताराम जिंदल फाउंडेशन स्कॉलरशिप-2024 के लिए पूरे देश के छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इस स्कॉलरशिप का मुख्य उद्देश्य कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि वे अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकें। सरकारी कॉलेज या सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों से 11वीं, 12वीं, आईटीआई, ग्रेजुएशन, पीजी, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग व मेडिकल कोर्स में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राएं इस छात्रवृत्ति के पात्र हैं। 11वीं, 12वीं, स्नातक व स्नातकोत्तर के छात्रों को न्यूनतम 65% अंक व छात्राओं को न्यूनतम 60% अंक, आईटीआई के छात्रों को न्यूनतम 50% अंक व छात्राओं के न्यूनतम 45% अंक, डिप्लोमा के छात्रों को न्यूनतम 60% व छात्राओं को न्यूनतम 55% अंक, मेडिकल व इंजीनियरिंग छात्रों को न्यूनतम 70% अंक व छात्राओं को न्यूनतम 65% अंको के साथ पिछली कक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। चयनित विद्यार्थियों को विभिन्न पात्रता श्रेणियों के आधार पर रुपये 500 से लेकर रुपये 2800 तक प्रति माह तक की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार अपनी अर्हता की जांच करते हुए इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम में ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

- **अंतिम तिथि :** 31 दिसंबर, 2024
- **आवेदन का लिंक :** https://tinyurl.com/32du7u5v

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से लाइफ गुड स्कॉलरशिप प्रोग्राम-2024 की पेशकश की जा रही है। किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थी आवेदन के पात्र हैं। स्कॉलरशिप प्रोग्राम में आवेदन के लिए आवश्यक है कि आवेदकों ने अपनी पिछली कक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों। प्रोग्राम के अंतर्गत मेधावी छात्र-छात्राओं तथा ऐसे छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 8,00,000 लाख रुपये से अधिक न हो। आवेदकों का चयन पात्रता मानदंड, टेलिफोनिक इंटरव्यू और दस्तावेज सत्यापन के आधार पर किया जाएगा। चयनित स्नातक व स्नातकोत्तर छात्रों को 50 प्रतिशत तक ट्यूशन फीस प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त आठ लाख रुपये से कम पारिवारिक आय वाले मेधावी स्नातक छात्रों को 50,000 रुपये और स्नातकोत्तर छात्रों को 1,00,000 रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। आवेदन करने वाले छात्रों के पास पिछली कक्षा के प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र व अन्य निर्धारित दस्तावेज होने चाहिए।

- **आवेदन की अंतिम तिथि :** 27 अगस्त, 2024
- **आवेदन लिंक :** https://tinyurl.com/bdhwpjnk

स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए मिलेगी आर्थिक मदद

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन्स ईसीएसएस प्रोग्राम के लिए स्नातकोत्तर में अध्ययन करने वाले छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह एक मेरिट-कम-नीड बेस्ड स्कॉलरशिप प्रोग्राम है, जिसका मुख्य उद्देश्य कमजोर वर्ग के छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। एमए/एमकॉम और एमबीए/एमटेक जैसे प्रोफेशनल कोर्स करने वाले छात्र आवेदन के पात्र हैं। आवेदन के लिए आवश्यक है कि आवेदकों ने अपनी पिछली कक्षा न्यूनतम 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। आवेदकों की पारिवारिक वार्षिक आय 2,50,000 रुपये या उससे कम होनी चाहिए। स्कॉलरशिप प्रोग्राम के अंतर्गत सामान्य स्नातकोत्तर छात्रों को 35,000 रुपये और प्रोफेशनल कोर्स करने वाले स्नातकोत्तर छात्रों को 75,000 रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। आवेदकों का चयन पात्रता मानदंड, दस्तावेज सत्यापन और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा। छात्रों के पास पिछली कक्षा के प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, फीस रसीद व अन्य निर्धारित दस्तावेज होने चाहिए।

- **आवेदन की अंतिम तिथि :** 04 सितंबर, 2024
- **आवेदन लिंक :** https://tinyurl.com/yxjee7j3

21 साल से कम उम्र और चालीस फीसदी से कम अंक वालों को नियुक्ति देने पर रोक

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 में उन अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है, जिनकी उम्र एक जनवरी, 2024 को 21 साल से कभी थी। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को छोड़कर उन अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति नहीं देने को कहा है, जिनके भर्ती की लिखित परीक्षा में चालीस फीसदी से कम अंक हैं। अदालत ने मामले में प्रमुख वित्त सचिव, कर्मचारी चयन बोर्ड और राजकोष निदेशक के साथ राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश संदीप व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 20 जून, 2023 को कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार के पदों पर भर्ती निकाली थी, जिसमें अभ्यर्थी की उम्र न्यूनतम 21 साल रखी गई थी। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के अलावा अन्य अभ्यर्थी के भर्ती की लिखित परीक्षा में कम से कम चालीस फीसदी अंक होने चाहिए थे। याचिका में कहा गया कि भर्ती विज्ञापन की इन दोनों शर्तों की अवहेलना हुई है। कर्मचारी चयन बोर्ड ने बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों का चयन कर लिया है, जिनके पास भर्ती की लिखित परीक्षा में चालीस फीसदी अंक नहीं है।

सिस्टम की दिलचस्प कहानी: जन्म से मृत्यु तक टैक्स का सफर

ब्यूरो/नवज्योति,जयपुर। आजाद भारत में मानव का जन्म और मृत्यु का सफर बढ़ते इनडायरेक्ट टैक्स के बोझ के बीच फंसा रहता है। यह टैक्स वस्तु और सेवा के उत्पादन से शुरू होकर उपभोग पर खत्म होता है। जिसे अब गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) कहते हैं। जीवन के कुछ इस प्रकार अनसुलझे खर्च की दास्ता इस प्रकार है।

जन्म पर प्रसूति खर्च

जन्म के समय अस्पताल में प्रसूति मे उपयोग होने वाले सामानों जैसे जन्म घुट्टी, डायपर, नैपी, कपड़े व दवाइयों पर जीएसटी लागू होता है।

बच्चे का स्कूल में एडमिशन

बच्चे के एडमिशन के साथ ही सभी आवश्यक चीजें जैसे स्कूल ड्रेस, बेग, जूते चप्पल, कॉपी, पेन, पेंसिल, ट्रांसपोर्टेशन सभी पर जीएसटी लगता है, जो कि 18% तक हो सकता है। बच्चे ट्यूशन पढ़ाने जाते हैं वहां भी जीएसटी देना होता है।

विवाह पर खर्च

विवाह तो एक संस्कार है, फिर भी सरकार ने सबसे ज्यादा टैक्स इसी आयोजन पर लगा रखा है। विवाह से संबंधित सभी सामान जैसे गार्डन, टेंट, कैटरिंग, लाइटिंग, ज्वैलरी, कपड़े, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान सभी पर टैक्स है और इनमें ज्यादातर को लग्जरी मानते हुए 18 से 28% टैक्स लगा रखा है।

आपकी सालाना कमाई पर इनकम टैक्स

आपकी साल भर की कमाई पर स्लैब के अनुसार इनकम टैक्स लगता है

0 से 3 लाख रुपए	कोई टैक्स नहीं
3 लाख रुपए से 7 लाख रु.	5%
7 लाख रु. से 10 लाख रु.	10%
10 लाख से 12 लाख रु.	15%
12 लाख से 15 लाख रु.	20%
15 लाख से ऊपर	30%

उदाहरण: एक निजी कंपनी में कार्यरत अमुख कर्मचारी की कमाई 12 लाख रुपए है।

पहले 3 लाख रुपए पर	0
3 लाख से 7 लाख रु. 5%	20000 रु.
7 लाख से 10 लाख रु. 10%	30000 रु.
10 लाख से 12 लाख रु. 15%	30000 रु.
कुल टैक्स	80,000 रु.

खर्च पर जीएसटी

बचे हुए 70% राशि का इस्तेमाल आप अपनी दैनिक जरूरतों पर करते हैं। जिन पर भी जीएसटी लगता है।

खाने-पीने की चीजों पर	5 से 18%
फोन के बिल पर	18%
फर्नीचर आदि पर	12 से 28%

उदाहरण: अमुख कर्मचारी का मासिक खर्च 50,000 रुपए है।

20,000 रुपए खाने-पीने पर	5%	1000 रु.
3,000 रु. फोन बिल पर	18%	540 रु.
10,000 रुपए फर्नीचर पर	12%	1,200 रु.
कुल मासिक जीएसटी		2740 रु.

शेयर बाजार में निवेश

शेयर बाजार में ट्रेडिंग पर भी टैक्स लगता है

20%	इंट्राडे ट्रेडिंग (आज ही खरीदा और बेचा) शॉर्टटर्म कैपिटल गेन टैक्स
20%	एक सप्ताह के भीतर बेचा: शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स
12.50%	एक साल से अधिक रखने पर बेचा: लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स

(1.25 लाख रुपए तक छूट)

बचत पर टैक्स

आपकी बचत पर भी टैक्स लगता है

- **बैंक बचत खाते पर मिलने वाला ब्याज:** स्लैब के अनुसार टैक्स
- एलआईसी और अन्य बचत योजनाओं पर टैक्स, पॉलिसी के आधार पर

बड़ी खरीदारी पर टैक्स

- बाइक 12 से 18% जीएसटी
- कार 28% जीएसटी 1% से 22% तक सेस (कार की टाइप और क्यूबिक क्षमता के आधार पर)

यात्रा के दौरान भी टैक्स

- बस, रेल, हवाई जहाज की टिकट पर 5 से 12% जीएसटी
- **निजी कार से यात्रा:** टोल टैक्स पेट्रोल/डीजल पर वैट (राज्य के अनुसार अलग-अलग)

सीए नटवर सारडा ने बताया कि जन्म से मृत्यु तक, जीवन के हर पड़ाव पर किसी न किसी रूप में टैक्स का भुगतान करना पड़ता है। चाहे वो अस्पताल का बिल हो, स्कूल की फीस, मासिक खर्च, बड़ी खरीदारी या यात्रा, टैक्स का असर हर जगह देखने को मिलता है।

मनोरंजन पर टैक्स

सिनेमा टिकट पर
18% जीएसटी

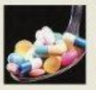

दवा पर
5% जीएसटी
इंजेक्शन पर 12% से 18% जीएसटी लगती है।

अंतिम समय तक टैक्स

वैसे सरकार का दावा है कि अंतिम संस्कार की चीजों के टैक्स नहीं है लेकिन खुले बाजार में लकड़ी, घी, हवन पुड़ा, चंदन आदि पर भी दुकानदार 5% से 12% जीएसटी वसूल लेते हैं।

विभिन्न सेवाओं के पदों पर भर्ती के लिए योग्यता अंक तय

जयपुर। राज्य सरकार ने अधीनस्थ, लिपिकवर्गीय सेवाओं के पदों पर भर्ती के लिए योग्यता अंक तय किए है। कार्मिक विभाग के अनुसार सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी को कॉमन एंट्रेंस टेस्ट-सीईटी में चालीस प्रतिशत अंक लाने होंगे। हालांकि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम अंकों में 5 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध होगी। ये नियम सरकारी गजट में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी होंगे। इस संशोधन का उदेश्य सेवा में चयन की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समान बनाना हैं, जिससे योग्य उम्मीदवारों को लाभ मिल सके।

पुरालेखपाल की 11 व सहायक पुरालेखपाल के लिए 8 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

आरपीएससी : शोध अध्येता, शोध अधिकारी की परीक्षा आज

कासं/अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से कला साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के 8 पदों के लिए 5 अगस्त तक अजमेर जिला मुख्यालय पर आयोजित परीक्षाएं शनिवार से प्रारम्भ हुई। पहले दिन शनिवार को सुबह 10 से 12.30 बजे जक पुरालेखपाल के 3 पदों के लिए 7 केन्द्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 1706 थे। इनमें से मात्र 191 अभ्यर्थी (11.20 प्रतिशत) ही परीक्षा देने पहुंचे। जबकि 1515 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार सहायक पुरालेखपाल के 2 पदों के लिए 8 केन्द्रों पर दोपहर 3 से 5.30 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 1784 थे। इनमें से मात्र 153 अभ्यर्थी (8.58 प्रतिशत) ही परीक्षा देने पहुंचे। जबकि 1631 अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। अभ्यर्थियों को गहनता जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।

एक परीक्षा केन्द्र के बाहर अभ्यार्थियों की तलाशी लेते पुलिसकर्मी।

आज होने वाली परीक्षा - 4 अगस्त रविवार को शोध अध्येता के 1 पद के लिए 4 परीक्षा केन्द्रों पर प्रातः 10 से 12.30 बजे तक एवं शोध अधिकारी के 1 पद के लिए परीक्षा का आयोजन दोपहर 3 से 5.30 बजे तक 6 केन्द्रों पर किया जाएगा।